Roll No. ------------------

**MASL-203**

**सिद्धान्‍तकौमुदी कारक एवं समास प्रकरण**

MA Sanskrit(MASL)

2ndYear, Examination 2024 (Dec.)

**TIME: 2 Hours Max Marks: 70**

नोट : यह प्रश्‍नपत्र सत्‍तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्‍डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्‍येक खण्‍ड में दिए गए विस्‍तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्‍नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्‍नों के उत्‍तर दी गई उत्‍तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्‍त (बी) उत्‍तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्‍ड -क**

**(दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न)**

**नोट : खण्‍ड 'क' में पॉच(05) दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए उन्‍नीस (19) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो(02)प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं । (2×19=38)**

1. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए-

(क) सप्तम्यधिकरणे

(ख) चतुर्थी सम्प्रदाने

(ग) षष्ठी शेषे

(घ) येनांगविकारः

2. द्विगु का अर्थ बताते हुये ‘संख्‍यापूर्वे द्विगु:’ सूत्र की व्‍याख्‍या लिखिये ।

अथवा

निम्नलिखित को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए-

(क) शतं जयति देवदत्‍तम्।

(ख) क्रोशं कुटिला नदी।

(ग) हरिं भजति।

3. ‘नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च’ इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।

4. ‘अन्तरान्तरेणयुत्ते’ इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें।

5. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए-

(क) अधिषीङ्स्थासां कर्म

(ख) चतुर्थी सम्प्रदाने

(ग) कर्तुरीप्सिततमं कर्म।

**खण्ड – ख**

**लघु उत्तरों वाले प्रश्न**

**नोट : खण्‍ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं। (4×8=32)**

1. गम् धातु के लोट् तथा विधिलिंग लकारों में रूप लिखिए |

2. नमः स्वस्ति…………..सूत्र पूर्णकर विभक्ति निर्देश करते हुए एक –एक वाक्य लिखिए |

3. ‘जनिकर्तुः प्रकृतिः’ सूत्र की व्याख्या सोदाहरण कीजिए।

4. ‘सचक्रम्’ शब्द का समास-विग्रह कीजिए।

अथवा

द्वन्‍द्व समास के किन्‍हीं दो सूत्रों की व्‍याख्‍या कीजिए।

5. ‘‘आख्यातोपयोगे’ इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।

6. कर्मधारय समास को परिभाषित कर किसी एक उदाहरण की सिद्धि कीजिये ।

7. पठ् धातु के लट् लकार में प्रयोग सहित वाक्‍य निर्माण कीजिए।

8. पठति एवं गच्छति रूप को सिद्ध कीजिए।